एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या –305 वर्ग –अ साहित्य
प्रश्न–पत्र V– संस्कृत नाटक

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

उत्तररामचरितम् –भवभूति

कर्णभारम् भास

समग्र पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई –उत्तररामचरितम् नाटक के 1–3 अंक
द्वितीय इकाई – उत्तररामचरितम् नाटक के 4–7 अंक
तृतीय इकाई – उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्नपत्र ,अंको का सार अंको का वैशिष्ट्य , उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न ।
चतुर्थ इकाई – कर्णभार नाटक के प्रथम अंक श्लोक 1–12 तक
पंचम इकाई – कर्णभार नाटक के प्रथम अंक के श्लोक 13–25 तक

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा समस्त इकाइयो से समान भाव से सम्बद्ध होंगें ।

द्वितीय खण्ड –(व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखत प्रकार से है –

(क) उत्तररामचरितम् नाटक के 1–3 अंक में से किसी श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) उत्तररामचरितम् नाटक के 4–7 अंक में से किसी श्लोक की संस्कृत सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्नपत्र ,अंको का सार अंको का वैशिष्ट्य , उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न । **7 अंक**
(घ) नाटक कर्णभार के प्रथम अंक के श्लोक 1–12 तक में से सप्रसंग हिन्दी व्याख्या पूछी जायेगी ।

7 अंक

(ड.) नाटक कर्णभार के प्रथम अंक के श्लोक 13–25 तक में से सप्रसंग **संस्कृत व्याख्या** पूछी जायेगी । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

(1) उत्तररामचरित नाटक की सामन्य समीक्षा , भवभूति की नाटककार की दृष्टि से समालोचना, उत्तररामचरित नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र –चित्रण , उत्तररामचरिते – भवभूतिर्विशिष्यते , एको रसकरूण एव , । कारूण्यम् भवभूतिरेव तनुते ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे । **15 अंक**

भास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भास की नाट्यकला, नाटक कर्णभार का वैशिष्ट्य , कर्णभार के किसी पात्र का चरित्र–चित्रण आदि ।

सहायक पुस्तके

(1) उत्तररामचरितम् नाटक – भवभूति
(2) कर्णभारम् – भास
(3) महाकविभवभूति – गंगासागर राय
(4) भवभूति के नाटक – डा0 ब्रजबल्लभ शर्मा
(5) संस्कृत नाट्यसाहित्य –